Content

"विषय-सूचि"

HANSA MEHTA LIBRARY

प्रथम अध्याय:

(i) परिवार का स्वरूप

(ii) अर्थ

(iii) परिभाषा

(iv) परिवार के प्रकार

(v) परिवार के प्रकार्य

(vi) परिवार की विशेषताएँ

द्वितीय अध्याय

(i) भारतीय परिवारों की संरचनात्मक पृष्ठभूमि

(ii) भारतीय समाज में परिवार का स्वरूप परिवर्तन

(iii) स्वतत्रता के बाद बदले परिवेश मे परिवार

(iv) स्वतंत्रता के बाद बदलते सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक परिवेश

(v) मध्यम वर्ग

(vi) नारी की स्थिति, नारी शिक्षा का प्रभाव

तृतीय अध्याय

(i) आठवे और नवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में अभिव्यक्त सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक परिस्थितियाँ तथा उनका पारिवारिक जीवन।

(ii) आठवें दशक से पूर्व के उपन्यासों में परिवार

(iii) विभिन्न स्तरों पर पारिवारिक वर्गीकरण

कामकाजी महिला, महिलाएँ कामकाजी क्यों, समाज का विकसित दृष्टिकोण, कामकाज का मध्यवर्गीय जीवन पर प्रभाव, कामकाजी महिला का पारिवारिक जीवन पर प्रभाव

(iv) 1971 से 1990 तक के उपन्यासों में परिवार

चतुर्थ अध्याय

आठवें और नवें दशक के उपन्यासों में विभिन्न पारिवारिक समस्याएँः

(i) संयुक्त परिवारों का विघटन और एकल परिवार का प्रादुर्भाव

(ii) नौकरीपेशा महिलाओं की स्थिति - परिवार समर्पिता, द्वन्द्वग्रस्त मानसिकता, विद्रोह

(iii) पति-पत्नी के बीच आने वाले तनाव

(iv) बच्चों की समस्या

(v) तलाक की समस्या

(vi) परम्परागत नैतिक मूल्यों में विघटन

(vii) उन्मुक्त यौन प्रवृत्ति (आधुनिकता का प्रभाव)

(viii) पुरुष की स्थिति, स्थान

पंचम अध्याय

आठवें और नवें दशक के पारिवारिक उपन्यासो का शिल्प

(i) भाषा शैली

(ii) उपन्यास के तत्त्व

(iii) कहावतें, मुहावरे, लोकोक्तियाँ

(iv) भाषा का बदलता स्वरूप

(v) संवाद, संवाद के गुण

षष्ठ अध्याय

उपसंहार

अध्याय का सारांश

* * * * *